(c) whether these items are also being sold through mobile outlets of Super Bazar; and

(d) if so, the details thereof and if not, what are the reasons therefor and the steps to be taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI KAMALUDDIN AHMED): (a) to (d) Only palmolein is sold under Public Distribution system, through all the retail outlets of Super Bazar, Delhi including its mobile vans.

Selling of shares of PSU(S)

*78. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news-item which appeared in the Financial Express dated 10-4-1992 captioned "PSU Officers flay move to sell 49 per cent shares";

(b) whether the National Confederation of Officers' Association of the Central Public Sector Undertakings (NCOA) has expressed the view that holding of 51 per cent shares was a more fig leaf of Government control;

(c) whether it is a fact that no representatives of Labour/industry were consulted by Government in this regard; and

(d) if so, what is the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P. J. KURIEN): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d) These decisions emerge from the statements in the new Industrial Policy and the Budget Speech made in Parliament on 24th July, 1991. Both these documents have been widely discussed in various forums, both inside and outside the Parliament, in which representatives of Labour/Industry also participated.

अच्छी किस्म के कोयले का उत्पादन

*79. डा० जितेन्द्र कुमार जैन :
श्री राम जेटमलानी :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 3 अप्रैल, 1992 के "फाइनेंशियल एक्सप्रेस" में "इन सर्च आफ क्वालिटी कोर" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या सरकार द्वारा देश में उत्तम किस्म के कोयले के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रयास किए जा रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस किस्म के कोयले के उत्पादन के लिए आगामी वर्षों के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी०ए० संगमा) : (क) जी, हां ।

(ख) सरकार, बेहतर गुणवत्ता वाले कोककर तथा अ-कोककर दोनों ही किस्म के कोयले के उत्पादन को बढ़ाने को सदैव महत्व देती रही है । कोककर कोयले (धुले और सीधे फीड दोनों) का उत्पादन 1991–92 के 10.06 मिलियन टन के स्तर से 1996–97 में 13.97 मिलियन टन तक बढ़ जाने की संभावना है । गुणवत्ता ग्रेड वाले अकोककर कोयले का उत्पादन 92 मि०टन के वर्तमान स्तर से आठवीं योजना के अत तक 111 मि० टन तक बढ़ जाने का अनुमान है । उच्च ग्रेड वाले कोयले के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कुछ निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं: विद्यमान वाशरियों का आधुनिकीकरण, वाशरोज की विद्युत आपूर्ति को बढ़ाया जाना, वर्तमान भूमिगत खानों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए उनका आधुनिकीकरण, आठवीं और नौवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान उच्च